कालकाजी स्थित नेहरू एन्क्लेव पार्क में **विश्व पर्यावरण दिवस** का आयोजन **''साथी''** संस्था व **राज माता विजयाराजे सिंधिया स्मृति न्यास** के संयुक्त तत्वावधान में **05 जून 2024** को मनाया गया। इस बैठक की अध्यक्षता साथी संस्था की अध्यक्ष **श्रीमती संगीता सिन्हा जी** ने किया और इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों का परिचय कराया। उन्होंने कहा कि प्रकृति तो हमारी केयर करती है पर हम प्रकृति का केयर/संरक्षण कैसे करें और क्या करना चाहिए इसकी जरूरत आज हमें ज्यादा है। इसी थीम को लेकर आज हम सभी उपस्थित हुए हैं और हम सब प्रकृति के संरक्षण विषय पर उपस्थित कार्यक्रम में चर्चा करेंगे।

मुख्य अतिथि के रूप उपस्थित **डॉ. श्यामला मणि,** जिनके पास एसईएस, जेएनयू से पर्यावरण विज्ञान में पीएचडी और एमफिल, मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, मदुरै से माइक्रोबायोलॉजी में एमएससी और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले से एमपीएच है, वरिष्ठ सलाहकार, वॉश और अपशिष्ट प्रबंधन, केंद्र के रूप में काम कर रही हैं। नई दिल्ली से प्रोफेसर के रूप में सेवानिवृत्त हुईं, २०२० तक स्वच्छ भारत मिशन १.० क्षमता निर्माण परियोजना की टीम लीडर थीं। वह वर्तमान में सलाहकार और सलाहकार हैं चिंतन पर्यावरण अनुसंधान और कार्य समूह, आईपीएसओएस, ओडिशा विकास प्रबंधन कार्यक्रम (ओडीएमपी), आरनिसर्ग फाउंडेशन और पावर के ट्रस्टी, निरामय एसोसिएट्स, इकोचक्र अभियान और सौरभा जैसे कई संगठनों को। वह क्यूसीआई द्वारा ठोस अपशिष्ट और बायोमेडिकल अपशिष्ट में सूचीबद्ध ईआईए सलाहकार विशेषज्ञ भी हैं। वह बायोमेडिकल अपशिष्ट, प्लास्टिक अपशिष्ट, नगरपालिका ठोस अपशिष्ट, ई अपशिष्ट और खतरनाक अपशिष्ट के निर्माण के लिए प्रारंभिक चरणों के दौरान और २०१६ में उनके अद्यतनीकरण और उसके संशोधन के दौरान **MoEFCC** की समितियों में रही हैं। इस कार्यक्रम में मौजूद रहीं।

श्यामला मणी जी ने इस वर्ष की थीम ''हमारी भूमि, हमारा भविष्य, हम पीढ़ी की बहाली हैं'' के बारे में बताया। 1972 में संयुक्त राष्ट्र (यूएनईपी) द्वारा पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए एक विश्व भर के देशों ने मिलकर में मिटिंग किया और 5 जून को पर्यावरण दिवस के रूप में काम करने के लिए घोषित किया। जिसमें भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने पर ध्यान केंद्रित करेगा और हर साल अलग अलग थीम पर काम करेगी। आगे उन्होंने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस का उद्देश्य विभिन्न पर्यावरणीय समस्याओं को उजागर करना है, जिसमें वायु प्रदूषण जलवायु परिवर्तन, प्लास्टिक प्रदूषण, अवैध फैक्टरीयां, समुद्र स्तर में वृद्धि, खाद्य सुरक्षा आदि शामिल हैं, जलवायु परिवर्तन एक गंभीर पर्यावरणीय चुनौती है, जिसके कारण समुद्र के स्तर में वृद्धि, मौसम में परिवर्तन देखा जा सकता है।

डॉ इंदरा डे जी ने इस कार्यक्रम में शामिल मालियों को जानकारी दी कि गिरे हुए पत्तों से किस तरह खाद्य बनाया जा सकता है और कैसे एक पौधे से हजारों पौधे तैयार किये जा सकते हैं, जिससे हम इस धरती को ज्यादा से ज्यादा हरा-भरा रख सकते हैं। उन्होंने छोटे छोटे घरेलू उपकरणों के माध्यम से पार्क को कैसे सजाया है। उसके बारे में उन्होंने बताया और किस तरह से पार्क कि क्यारियों को प्लास्टिक के ढक्कनों, वेस्ट गाड़ियों के टायरों, दही के डब्बों, बाथ टबों, घरों से निकले टाइल्स के द्वारा पेड़ों के चारों तरह घेरा बनाकर उसमें छोटे छोटे बीजों को डालकर कर पौधे से तैयार किया है उसे दिखाया और उसके बारे में समझाया। और उन्होंने बताया कि हम घरों के छोटे छोटे उपकरणों के माध्यम खाद्य आदि तैयार करके कैसे पौधों को हरा भरा रख सकते हैं।

इस मौके पर **DELHI WOMEN'S LEAGUE** की अध्यक्ष **श्रीमती जयश्री कुमार (जौली)** जी, **श्रीमती अनु मिश्रा जी**, **श्रीमती अलका वधवा जी** व साथी संस्था से जुड़े **प्रमोद मौर्य**, बीरेश कुमार, पूर्णिमा सेठी पार्क के माली, गार्ड फुलसिंह, संतोष आदि लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी लोगों ने पौध रोपण किया व जलपान किया।

SATHI

CELEBRATE'S
WORLD
SATHI
Social Action Through Integrated Network

CELEBRATE'S
WORLD
SATHI
Social Action Through Integrated Network

SATHI